इकाई-3 Date - 04.06.2020

Topic - भाषा सीखने सिखाने में संवेदनशीलता का महत्व

Ans → भाषा सीखने - सिखाने के क्रम में विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध एवं समकालीन जीवन के विविध पहलुओं से अवगत होने के बेहतर अवसर उपलब्ध होते हैं। भाषा की कक्षा और पाठ्यसामग्री से विद्यार्थियों को अपने इर्द-गिर्द लोगों एवं राष्ट्र के प्रति संवेदनशील बनने के अधिक अवसर भी प्राप्त होते हैं। स्कूल के वातावरण और दूसरे बच्चों के साथ उनकी स्थानीय ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विविधताओं से भी परिचित होते हैं। इसके अतिरिक्त वे अन्य भाषाओं के प्रति भी संवेदनशील हो जाते हैं।

(1) सवाल - कासारा ने चप्पल माँगने पर रबेमा को फटकार लगी। उसके बावजूद वह काम करते लगा। आप रहते तो क्या करते?

सवाल (2) - अपने आस-पड़ोस के किसी बाल मजदूर से बात कर यह पता कीजिए कि किन कारणों से बाल मजदूर बना।

सवाल - (3) - हामिद मिठाई या खिलौने के बदले चिमटा पसंद करता है क्यों? दरअसल संवेदनशीलता से जुड़े हैं।

भाषा एक तरह से उस संसार को हमारे समक्ष ला खड़ा करती है जिसकी कल्पना भी शायद हमने नहीं की थी या जिसके बारे में महज हमने सुना ही था। रबेमा किस तरह की यंत्रणा से गुजरते हुए काम करने को विवश है उसे उसी स्तर पर और उसी गहराई से महसूस कर पाने के लिए जिस तरह की संवेदनशीलता चाहिए वह इस कहानी में भाषा के माध्यम से संभव है। इस कहानी को पढ़ते हुए बच्चे कहीं न कहीं रबेमा के चरित्र को जी रहे होंगे और यह संवेदनशीलता उन्हें समझा पाएगी कि उन्हें काम करने को विवश बाल मजदूरों के लिए क्या करना है, उनके साथ कैसा व्यवहार करना है, ऐसी कौन-सी बातें हैं जो किसी के मन को ठेस पहुँचाती हैं। दादी अमीना के प्रति हामिद की संवेदनशीलता को व्यक्त करना है। हमारे बुजुर्ग किन मुश्किलों से हमें पालते-पोसते हैं और अपनी इच्छाओं को ताक पर रख देते हैं - उनके लिए हमारा क्या कर्तव्य बनता है - यह संवेदनशीलता हामिद के माध्यम से हमें छू जाती है। अपने परिवार, समाज, जेंडर, आस-पड़ोस, पशु-पक्षी आदि के प्रति संवेदनशीलता का विकास करना भाषा का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य है। अनेक भाषाओं में लिखा गया विभिन्न प्रकार का साहित्य पढ़ने-पढ़ाने का एक उद्देश्य यह संवेदनशीलता भी है।

END

Scanned with CamScanner